यहाँ दुख में ब्रम्ह भी रोते हैं भजन लिरिक्स

यहाँ दुख में ब्रम्ह भी रोते हैं,

हे रघुराई तुमसे विनती करूँ मैं,
दु:ख में पड़ा हूँ दु:ख से उबारो,
माया नाच नचाए रे,
इससे कौन बचाए रे,
धरा धाम पर दुख आए तो,
कभी नहीं घबराना रे,
दुख में ही सुख ढूंढ निकालो,
हंसकर गले लगाना रे,
खुद मर्जी कोई काम ना होते हैं,
यहाँ दुख में ब्रह्म भी रोते हैं।bd।

तर्ज – अपने तो अपने होते।

विधना के आगे ये कैसी लाचारी है,
बन बन घूम रही सिया सुकुमारी है,
धन कोई काम ना आया रे,
फुस की कुटिया बनाया रे,
कल जो बनते अवधपति,
वो इस कुटिया में सोते हैं,
देखके ऐसे दसा प्रभु के,
कोल भील भी रोते हैं,
बिधगति में जो लिखा वही होते हैं,
यहाँ दुख में ब्रह्म भी रोते हैं।bd।

सुख दुख तो ज्ञानी जीव,
हंस हंस के ढोया है,
सबको जो सुख बांटे,
वो काहे रोया है,
जो नियम वही बनाया है,
पहले उसने ही निभाया है,
नर के रूप नारायण है वो,
ज्ञान की बात बताता हैं,
होना था जो वही हुआ इसे,
कोई रोकना पाता है,
बोझ उठाकर खुद ही सब ढोते हैं,
यहाँ दुख में ब्रह्म भी रोते हैं।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पहले जो बीज बोया,
अब फल आया है,
फल आने में थोड़ा,
देर लगाया है,
सब के पीछे कोई कारण है,
कार्य पहले से निर्धारण है,
अगर वृक्ष है कहीं ऊगा तो,
बीज कही से आता है,
वृक्ष है कोई उगाने वाला,
ऐसे नहीं हो जाता है,
कारण सबको पता नहीं होते हैं,
यहाँ दुख में ब्रह्म भी रोते हैं,
यहाँ दुख में ब्रम्ह भी रोते हैं।bd।

हे रघुराई तुमसे विनती करूँ मैं,
दु:ख में पड़ा हूँ दु:ख से उबारो,
माया नाच नचाए रे,
इससे कौन बचाए रे,
धरा धाम पर दुख आए तो,
कभी नहीं घबराना रे,
दुख में ही सुख ढूंढ निकालो,
हंसकर गले लगाना रे,
खुद मर्जी कोई काम ना होते हैं,
यहाँ दुख में ब्रम्ह भी रोते हैं,
यहाँ दुख में ब्रम्ह भी रोते हैं।bd।

Singer – Rupesh Choudhary
917004825279

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com